मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के मद्देनजर पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों की बैठक ली

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की पृष्ठभूमि में सीमा की विशेष निगरानी के निर्देश दिए

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राष्ट्र विरोधी शक्तियां प्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश कर सकती हैं। पुलिस, सोशल मीडिया पर प्रभावी निगरानी रख अफवाह फैलाने वालों पर त्वरित कार्यवाही करे।**

जयपुर, 7 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के मद्देनजर प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूरी सतर्कता से सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के साथ-साथ, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय और केन्द्रीय एजेन्सियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य है, इसलिए उच्चतम मानकों की अनुपालना करते हुए प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में दृष्टिगत राष्ट्र विरोधी शक्तियां प्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सोशल मीडिया पर प्रभावी निगरानी के साथ ही, अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने समस्त जिलों की आन्तरिक सुरक्षा योजना और आपदा प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा, ऑक्सीजन और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, चिकित्सकों सहित आवश्यक मानव संसाधन एवं उपकरण भी उपलब्ध रहें। शर्मा ने पानी, बिजली एवं आवश्यक बुनियादी संसाधनों की उपलब्धता और इससे संबंधित सेवाओं को सुचारू रखने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने बुधवार को हो रही मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट की भी विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के लिए पाबंद करने के संबंध में भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि एडीजी रेंज प्रभारी और प्रभारी सचिव उनके प्रभार क्षेत्र के जिलों के अधिकारियों से निरन्तर सम्पर्क में रहते हुए उक्त सभी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराएं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने भारतीय सेना को पाकिस्तान स्थित आंतकी ठिकानों पर प्रभावी एवं सटीक एयर स्ट्राइक करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कायराना पहलगाम हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय एयर फोर्स ने अदम्य साहस के साथ ऑपरेशन सिदूंर को अंजाम दिया और 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आंतकियों और उनके आकाओं को अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू सहित, सम्बन्धित पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

पाक सेना ने पुंछ में की भारी फायरिंग, 15 नागरिकों की मौत, 60 घायल

अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से रात भर भारी गोलाबारी की गई

- **मृतकों में एक महिला व चार बच्चे भी शामिल हैं।**
- **सूत्रों ने बताया कि भारतीय एयर स्ट्राइक के तुरंत बाद पाकिस्तान की ओर से पुंछ में गोलाबारी शुरु कर दी गई।**
- **जम्मू में पांच सीमावर्ती जिलों में सभी स्कूल, कॉलेज बंद रखे गए तथा लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई।**

जम्मू, 07 मई। जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में बुधवार को पाकिस्तान द्वारा की गई भारी मोर्टार गोलाबारी और तोपखाने की गोलीबारी में एक महिला और चार बच्चों सहित कम से कम 15 नागरिक मारे गए और 60 से अधिक घायल हो गए।

सीमा पार से गोलाबारी, भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले करने के तुरंत बाद शुरू हुई। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया, सीमा पार से दागे गए मोर्टार शेल के घर में फटने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी 13 साल की बेटी घायल हो गई।

सीमावर्ती जिला पुंछ पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी से सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। उन्होंने बताया, पुंछ सेक्टर के अन्य हिस्सों में करीब 20 लोग घायल हुए हैं और राजौरी के ठंडीकासी इलाके में दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हुए हैं।

उन्होंने बताया, पाकिस्तान की ओर से की गई भारी गोलाबारी में कई घर और वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि मनकोट इलाके के अलावा, भारतीय सेना ने राजौरी के कृष्णा घाटी, शाहपुर, लाम, मंजाकोट और गंभीर ब्राह्मणा इलाकों में भी पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया।

इस बीच, सेना ने पहले कहा था कि 6-7 मई की रात को पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के सामने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार चौकियों से तोपखाने से गोलाबारी समेत मनमाने तरीके से गोलीबारी की।

जम्मू के संभागीय आयुक्त कार्यालय ने जम्मू क्षेत्र के पांच सीमावर्ती जिलों में सभी शैक्षिणक संस्थानों को बंद करने का भी आदेश दिया। इसने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ में सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षिणक संस्थान आज बंद रहेंगे।

एक अधिकारी ने कहा, मौजूदा स्थिति के कारण, जम्मू (आईएक्सजे) हवाई अड्डे को अगले नोटिस तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया है और यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं और उड़ान की स्थिति की जांच करें। कश्मीर के कुछ हिस्सों में, तथा बारामुल्ला, कुपवाड़ा और उरी से भी भारी गोलाबारी की खबर है। मौजूदा स्थिति के बीच लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए पहले से ही व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन पुंछ ने विभिन्न नामित आश्रय शिविरों में तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी), सहायक आयुक्त राजस्व (एसीआर), सीपीओ और तहसीलदार हवेली सहित वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने सुविधाओं की तैयारी का आकलन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित शिविर स्थलों का दौरा किया कि सभी रसद और सहायता प्रणालियाँ चालू हैं। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि प्रशासन ने लोगों को आश्वस्त किया है कि इन सभी आश्रय स्थलों पर आवास, भोजन और चिकित्सा सहायता सहित आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हैं, जबकि लोगों को इन सुविधाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, यदि वे स्थानांतरित होना चाहते हैं।

जम्मू पुलिस ने आम जनता के लिए एक सलाह में, जिले में सुरक्षा तैनाती, परिचालन आंदोलनों से संबंधित किसी भी सामग्री को साझा, अपलोड या प्रसारित नहीं करने को कहा है।

जम्मू पुलिस की सलाह के अनुसार,जम्मू जिले के सभी नागरिकों को सख्त सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया या किसी अन्य सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा तैनाती, परिचालन आंदोलनों या संवेदनशील स्थानों से संबंधित किसी भी सामग्री को साझा, अपलोड या प्रसारित न करें।

सलाह में यह भी कहा गया है कि इस तरह की हरकतें सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं और संबंधित कानूनों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें आगे कहा गया, जिला पुलिस जम्मू सभी से जिम्मेदारी से काम करने और ऐसी गतिविधियों से दूर रहने का आग्रह करती है जो सुरक्षा अभियानों की प्रभावशीलता से समझौता कर सकती हैं या जान को खतरे में डाल सकती हैं। शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस मोड़ पर आपका सहयोग महत्वपूर्ण है।

एक अधिकारी ने कहा कि कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी सुरक्षा ग्रिड को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल-जम्मू फ्रंटियर की रक्षा करने वाला अग्रिम पंक्ति का बल पहले से ही अलर्ट पर है और स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है।

'मंत्रालयिक कर्मचारियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं दिया है, बल्कि यह संवैधानिक तौर पर मान्यता प्राप्त वर्टिकल श्रेणी के भीतर ही हॉरिजेंटल आरक्षण के एकीकरण को दर्शाता है। इस आदेश के बाद, भर्ती में मंत्रालयिक कर्मचारियों के लिए आरक्षित पदों पर नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। याचिकाओं में कहा गया कि मंत्रालयिक कर्मचारी वर्ग में जिनका चयन हुआ है, उनके सीईटी परीक्षा में याचिकाकर्ताओं से कम अंक हैं। उन्हें दोहरे आरक्षण का लाभ दिया है। ऐसे में कर्मचारी चयन बोर्ड ने आरक्षण की प्रक्रिया सही नहीं की है और इसके चलते ही याचिकाकर्ता भर्ती में चयन होने से वंचित रहे हैं। इसके जवाब में कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से अधिवक्ता संदीप माहेश्वरी ने कहा कि सीईटी नियम, 2022 के नियम 6 के तहत, मंत्रालयिक कर्मचारी श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए मानकों में छूट का प्रावधान है। बोर्ड ने डीओपी के 24 जून 2008 के परिपत्र की पालना की है और दोहरे आरक्षण का लाभ नहीं दिया है। याचिकाकर्ताओं के मुख्य परीक्षा में इन चयनित अभ्यर्थियों से कम अंक हैं और ऐसे में इनको बुलाया जाना कानूनी तौर पर गलत नहीं है। अदालत ने बोर्ड की दलीलों से सहमत होकर याचिकाओं को खाजिर कर दिया है।

'पाकिस्तान तनाव खत्म करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तुला, समानुपातिक, गैर उत्तेजनात्मक और उत्तरदायित्व पूर्ण था, जो अन्य देशों और सभ्य समाज के लिए संकेत था। यह कार्यवाही आतंकवादी ढांचे को खत्म करने व उन आतंकवादियों को खत्म करने पर केन्द्रित थी, जिन्हें भारत भेजा जा सकता था।

जहां तक "ऑपरेशन सिंदूर" का प्रश्न है सरकार कुछ भी संयोग पर नहीं छोड़ रही है, हमले के बाद की प्रतिक्रियाओं को भी नापा-तौला गया है। सिंदूर शब्द का चयन भी भावनाएं जगाने वाला है और पहली बार प्रैस ब्रीफिंग में दो महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की मौजूदगी भारतीय महिलाओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव पैदा कर सकती है, मिश्री की ब्रीफिंग स्पष्ट संकेत है कि मोदी सरकार ने सावधानी से योजना बनाई है, देश व दुनिया में इसके पक्ष में माहौल बनाया।

भारत-पाक रिश्तों के जानकार कूटनीतिज्ञ एवं जाने-माने भू-रणनीतिक विशेषज्ञ इस बात का दिल थाम कर इंतज़ार कर रहे हैं कि नई दिल्ली हालात सामान्य करने का निर्णय कब लेती है। लंबे समय तक तनाव रखने से बिज़नैस पर असर पड़ेगा साथ ही विश्व में भारत की स्थिति भी अनिश्चित हो जाएगी।

आगामी दिनों में काफी अनिश्चितता रहेगी क्योंकि पाक सेना भी जनता के दबाव में आ सकती है।

भारत ने जिन ठिकानों पर हमला किया, वे हैं :

1. मरकज़ सुभान अल्लाह बहावलपुर - जैश ए मोहम्मद
2. मरकज़ तैयबा मूरीदके - लश्कर ए तैयबा
3. सरजल तेहरा कलान - जैश ए मोहम्मद
4. महमूना जोया सियालकोट - हिजबुल मुजाहिदीन
5. मरकज़ अहले हदीथ, बरनाला-लश्कर-ए-तैयबा
6. मरकज़ अब्बास कोटली - जैश-ए-मोहम्मद
7. मस्कर राहील शाहिद कोटली-हिजबुल मुजाहिदीन
8. शावई नल्ला कैम्प, मुजफ्फराबा - लश्कर-ए-तैयबा
9. सैयदना बिलाल कैम्प मुजफ्फराबाद - जैश--ए-मोहम्मद।

देश के विभिन्न हिस्सों में मॉक ड्रिल

- **सिविल डिफैंस मॉक ड्रिल के तहत शाम 8 बजे बाद कई शहरों में ब्लैक आउट भी किया गया।**
- **मॉक ड्रिल अभ्यास में पुलिस, होमगार्ड व अन्य सरकारी एजेंसियों के कर्मचारी शामिल थे।**

नयी दिल्ली, 07 मई। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच लोगों को हवाई हमलों की स्थिति में राहत और बचाव के प्रति जागरुक और प्रशिक्षित करने के लिये केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार बुधवार को देश के विभिन्न शहरों में सिविल डिफेंस के तहत मॉकड्रिल (अभ्यास) आयोजित किये गये।

बुधवार शाम को 244 जिलों में ब्लैक आउट का भी अभ्यास किया गया। सिविल डिफेंस, पुलिस होमगार्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के लोग अभ्यास में शामिल हुए।

राजधानी में दिन में हवाई हमले के सायरन की आवाज के साथ लोगों को बचाव और राहत के उपायों का प्रशिक्षण दिया गया। शाम को आठ से सवा आठ बजे के बीच नॉर्थ ब्लॉक,साउथ ब्लॉक, राष्ट्रपति भवन सहित राजधानी के तमाम इलाकों में बत्तियां बुझा दी गयीं और कुछ देर के लिये राजधानी अंधेरे की चादर में लिपट गयी।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ग्रुप मुख्यालय जालंधर के तत्वावधान में छह एनसीसी बटालियनों के विभिन्न 250 शिक्षण संस्थानों ने सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास किया।

ब्रिगेडियेर अजय ने बताया कि राष्ट्र के 300 जिलों में सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया है और सभी नागरिकों को हवाई हमले और न्यूक्लियर बायोलॉजिकल और केमिकल वारफेयर में बचाव के तरीके सिखाये गये।

देशव्यापी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के तहत मध्यप्रदेश के पांच जिलों में शाम को मॉक ड्रिल किया गया।

बुधवार को उत्तराखंड के देहरादून जनपद में नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत आयोजित सिविल डिफेंस 'मॉक ड्रिल' की निगरानी राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (यूएसडीएमए) स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र तथा जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से की गयी।

भारत ने बौद्ध अवशेषों की नीलामी रुकवाई

- **अन्तर्राष्ट्रीय नीलामी कम्पनी सॉथबीज़ बुधवार को यह नीलामी करने वाली थी, पर भारतीय हस्तक्षेप के बाद इसे रोक दिया गया।**

नयी दिल्ली, 07 मई। संस्कृति मंत्रालय को हांगकांग के पिपरहवा उत्खनन से प्राप्त पवित्र बौद्ध अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय नीलामीकर्ता कंपनी सोथबी हांगकांग इकाई ने नीलामी स्थगित कर दी है।

संस्कृति मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह नीलामी आज होनी थी, लेकिन मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद नीलामी स्थगित कर दी गई है।

गौरतलब है कि पिपरहवा पुरातात्विक खुदाई से प्राप्त अवशेषों में महात्मा बुद्ध की अस्थियों के टुकड़े, सेलखड़ी और स्फटिक से निर्मित ताबूत, बलुआ पत्थर का संदूक और अर्पित स्वर्ण आभूषण तथा रत्न आदि मिले हैं। वर्ष 1898 में ब्रिटिश औपनिवेशिक इंजीनियर विलियम क्लैक्सटन पेप्पे ने वहां उत्खनन कराया था। एक ताबूत पर ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण अभिलेख से पुष्टि हुई थी कि ये बुद्ध के अवशेष हैं, जिन्हें शाक्य वंश द्वारा वहां स्थापित किया गया था। इनमें से ज्यादातर अवशेष 1899 में भारतीय संग्रहालय, कोलकाता में स्थानांतरित किये गये थे. जहां उन्हें एए श्रेणी के पुरावशेषों के रूप में वर्गीकृत किया गया, जिन्हें हटाना या बेचना प्रबंधित किया गया। अस्थि अवशेषों का एक भाग सियाम.वर्तमान थाईलैंड के नरेश को उपहार में दिया गया था, जबकि डब्ल्यूसी पेप्पे के परपोते क्रिस पेप्पे के पास रहे बुद्ध के अंतिम संस्कार के रत्नों का एक हिस्सा नीलामी के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

मंत्रालय के अनुसार, मीडिया रिपोर्टों में नीलामी के बारे में जानकारी मिलने पर तुरंत कार्यवाही शुरू की गई, जिसके तहत गत दो मई को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक ने हांगकांग के महावाणिज्य दूतावास को पत्र लिखकर नीलामी तत्काल रोकने का अनुरोध किया। उसी दिन एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान, संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री लीसा नैंडी के समक्ष यह मामला उठाया तथा अवशेषों के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व पर जोर देते हुए तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया।

संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, 05 मई को इस विषय में समीक्षा बैठक हुई और नोटिस जारी कर नीलामी रोकने को कहा गया। विदेश मंत्रालय ने पश्चिम-यूरोप और पूर्वी एशिया प्रभागों के माध्यम से ब्रिटेन और हांगकांग स्थित दूतावासों से संपर्क कर नीलामी रोकना सुनिश्चित करने के लिये नोटिस भेजा गया।

ई-सिगरेट की बिक्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि ई-सिगरेट को लेकर आठ वेबसाइटों को ब्लॉक किया गया है और चार साइटों को अनब्लॉक किया गया है। ई-सिगरेट की ऑनलाइन बिक्री पर प्रभावी और सख्त तरीके से रोक लगनी चाहिए। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में उपस्थित होकर कहा गया कि विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से ई-सिगरेट की खुलेआम ऑनलाइन बिक्री की जा रही है, जिसे प्रतिबंधित करने की जरूरत है। राज्य सरकार की ओर से दिए गये जवाब में इसकी बिक्री रोकने का कोई प्रभावी निवारक तंत्र स्थापित होना नहीं बताया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि राज्य सरकार के जवाब के अनुसार, छापे के दौरान पुलिस को छह स्थानों पर ई सिगरेट की ऑनलाइन बिक्री और खपत मिली। याचिकाकर्ता ने कहा कि वेबसाइटों की ओर से 24 घंटों के भीतर ई-सिगरेट डिलीवरी का दावा किया जाता है, जिससे साबित होता है कि इनका स्थानीय स्तर पर गोदाम है, जबकि इनकी ऑनलाइन बिक्री को रोकने की सख्त जरूरत है। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में डीजीपी को शपथ पत्र पेश कर ई-सिगरेट की बिक्री को रोकने के लिए बनाए गए प्रभावी तंत्र की जानकारी देने को कहा है।

एयर स्ट्राइक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख के बयान का हवाला देते हुए समाचार रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके परिवार की एक और भतीजी और पांच बच्चे भी मारे गए। इसमें कहा गया है कि अजहर का एक करीबी सहयोगी और दो अन्य करीबी सहयोगी भी भारतीय हमलों में मारे गए हैं। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ आतंकवादी शिविरों पर हमला किया है। बहावलपुर में सुभानअल्लाह परिसर पर हुआ हमला, ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए दो महत्वपूर्ण हमलों में से एक था।

भारत को "छवि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का आव्हान किया है, उन्होंने आत्मरक्षा के मसले को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। और यही उम्मीद भी थी।

पाकिस्तान का यह दावा, कि उसने पांच भारतीय लड़ाकू विमानों को गिरा दिया, जिसमें कई राफेल विमान शामिल हैं, को अधिकांश मीडिया संगठन प्रमुखता से दिखा रहे हैं। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के इस दावे का जवाब नहीं दिया है, फिर भी अधिकांश विदेशी मीडिया इसे पाकिस्तान की क्षमता के रुप में पेश कर रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच एक प्रमुख टकराव की संभावना बढ़ रही है, और यह संभावना भी जताई जा रही है कि युद्ध अधिक बढ़ सकता है। भारत के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह इन टकरावों को जल्दी से निपटाए, क्योंकि यह भारत की आर्थिक विकास की मूल योजना के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं।

सीबीआई प्रमुख का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नयी दिल्ली, 07 मई। सरकार ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल आगामी 24 मई से एक वर्ष के लिए और बढा दिया है।

केन्द्रीय कार्मिक , जन शिकायत और प्रशिक्षण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 24 मई से एक वर्ष के लिए बढ ाने को मंजूरी दे दी है। सूद भारतीय पुलिस सेवा के 1986 बैच के अधिकारी हैं।

द हिन्दु अखबार के ट्वीट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आश्वासन देने का मौका दे दिया। उन्होंने भारत को माकूल जवाब दिया है।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देश के सूचना व प्रसारण मंत्री अता तरार के विनाशकारी साक्षात्कार के बाद आई। इस इंटरव्यू में अता तरार स्काय न्यूज़ की पत्रकार याल्दा हकीम से बात करते हुए बुरी तरह से फंस गए था। याल्दा ने बार बार उनसे पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बारे में सवाल पूछा, जिन्होंने यह स्वीकार किया था उनका देश 30 सालों से आतंकवादियों को पाल रहा है। अता तरार के पास ख्वाजा की स्वीकारोक्ति पर याल्दा हकीम के सवालों का कोई जवाब नहीं था।

बाद में महत्वाकांक्षी बिलावल भुट्टो जो प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं, ने अपनी सरकार का जोरदार बचाव किया और स्काय न्यूज़ पर कहा कि बहावलपुर और मूरीदके में जैश ए मोहम्मद व लश्कर-ए-तैयबा के ठिकाने नहीं हैं। इन दोनों जगहों पर भारत ने हमला किया था। उनका इंटरव्यु भी काफी प्रचारित हुआ।

आज का सबसे मजेदार बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का रहा जिन्होंने पाकिस्तान की संसद में कहा कि पाकिस्तान की वायु सेना ने कई दिन पहले ही राफेल विमान का रडार व कम्युनिकेशन सिस्टम जाम कर दिया था इसलिए वे तीन राफेल विमानों को मार गिराने में सफल रहे, जिस किसी को भी राफेल या किसी भी लड़ाकू विमान की जानकारी है उसे यह बात हास्यास्पद ही लगेगी। अब पाकिस्तानियों को यह बात कौन बताए।

इस बीच, दिल्ली में विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य देशों के राजदूतों के साथ मीटिंग की तथा उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर" के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उन सब लोगों के समक्ष यह स्पष्ट भी कर दिया कि अगर पाकिस्तान ने बदले की कोई कार्यवाही की, तो भारत उसका जवाब निश्चित रूप से देगा।

कल सुबह एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाई गई है, जिसमें सभी राजनैतिक दलों के नेताओं को आज सुबह 1.44 बजे पाकिस्तान एवं पाक-अधिकृत कश्मीर के नौ आतंकी शिविरों पर की गई स्ट्राइक की जानकारी दी जायेगी।

प्रधानमंत्री ने 12 मई से शुरू होने वाली तीन देशों की अपनी यात्रा निरस्त कर दी है क्योंकि भारत को, पाकिस्तान के अगले कदम, तथा वह बदले की कार्यवाही कब, और कैसे करेगा, की प्रतीक्षा है।

और अब, जब भारत ने पाकिस्तान के आतंकी शिविरों पर स्ट्राइक कर दी, "देखो और प्रतीक्षा करो" की स्थिति शुरू हो गई है। देखना यह है कि पाकिस्तान बदले की कार्यवाही करता है या नहीं, और अगर करता है तो कब और कैसे। आज हर व्यक्ति के मन में यह प्रश्न जरूर है कि पाकिस्तान की बदले की कार्यवाही इस स्थिति को एक बड़े युद्ध का रूप देती है या यह एक सीमित टकराव के रूप में ही रहती है।

भारत के विदेश सचिव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आतंकवादी को मृत घोषित किया गया और फिर अंतर्राष्ट्रीय दबाव के कारण उसे "जिंदा" करके पेश किया गया और गिरफ्तार किया गया, सबसे उज्जवल उदाहरण है।"

साजिद मीर, जो साजिद मजीद, इब्राहीम शाह, वासी, खली और मुहम्मद वसीम जैसे कई उपनामों से जाना जाता है, लाहौर का निवासी है। उसे 2008 के मुम्बई आतंकवादी हमलों का एक मुख्य साजिशकर्ता और डेविड कोलमैन हैडली उर्फ दाऊद गिलानी का एक प्रमुख संचालक बताया गया है।

सन् 2011 में, अमेरिका की एक जिला अदालत ने उसे, एक विदेशी सरकार की संपत्ति को क्षति पहुँचाने की साजिश, आतंकवादियों को सामग्री देने, अमेरिका के बाहर एक नागरिक की हत्या, और सार्वजनिक स्थानों पर बमबारी में सहायता और उकसाने के आरोपों में आरोपित और अभियुक्त घोषित किया था। अमेरिका के विदेश विभाग ने साजिद वाली सूचना के लिए 50 लाख डॉलर तक के इनाम की घोषणा भी की थी। एफबीआई के अनुसार, मीर ने 2008 और 2009 के बीच डेनमार्क में एक अखबार और उसके कर्मचारियों पर आतंकवादी हमला करने की साजिश भी रची थी। कहा जाता है कि 2008 के मुम्बई आतंकी हमलों के बाद, मीर ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी।

18 एयर पोर्ट्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(एनओटीएएम) भी जल्द ही जारी किए जाने की उम्मीद है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये हवाई अड्डे 10 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद रहेंगे। इनमें नियमित उड़ानें और चार्टर्ड उड़ानें दोनों शामिल हैं।

पहली बार दो महिला अफसरों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को जानकारी दी। उन्होंने कहा, "इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) ने नज़दीकी हवाई सहयोग के लिये, समन्वित एयर स्ट्राइक्स को अंजाम दिया। परिणाम बहुत ही सटीक एवं सर्जिकल रहे। हमारे सारे असैट्स सुरक्षित वापस आ गये।" उन्होंने कहा कि रियल-टाइम सैटेलाइट एवं ड्रोन व्यवस्था ने अचूक लक्ष्य - भेदन में मदद की।

प्रैस को सम्बोधित करने के लिये इन दोनों अधिकारियों के चयन को भारतीय सैन्य तन्त्र द्वारा एक ऐसे व्यापक और शक्तिशाली बयान के रुप में देखा जा रहा है, जिससे योग्यता का सम्मान, सैन्य कार्यवाही की पारदर्शिता तथा सैन्य तन्त्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका प्रदर्शित हो रही है। इन दोनों अधिकारियों ने ब्रीफिंग बड़ी सुस्पष्टता तथा सन्तुलन के साथ की तथा सभी समाचार एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शीघ्र ही राष्ट्रीय प्रशंसा का केन्द्र बन गईं। आज दिन में, विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को सम्बोधित करते हुये, पाकिस्तान की धरती से संचालित हो रहे आतंकी ग्रुपों को पाकिस्तान के सतत सहयोग के विस्तृत प्रमाण प्रस्तुत किये। एक टेलिविजन- सम्बोधन के दौरान, मिश्री ने कहा, "जिन स्थानों पर हमने स्ट्राइक की, उनका चयन अपनी मनमर्जी से नहीं किया था। खुफिया जानकारियों तथा सैटेलाइट इमेजरी ने इस बात की पुष्टि की थी कि फैसिलिटीज़ (आतंकी शिविर) सक्रिय हैं तथा इन्हें पाकिस्तानी शासन के तत्वों से लॉजिस्टिक तथा खुफिया सहयोग मिलता है।" आशा की जा रही है कि भारत अपने निष्कर्षों को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद तथा मित्र राष्ट्रों के साथ साझा करेगा। विदेश मंत्रालय के अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, सम्बंधित घटनाक्रम और उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी युक्त प्रपत्र सभी प्रमुख रणनैतिक पार्टनरों को पहुंचा दिये गये हैं, जिनमें अमेरिका, फ्रांस तथा जापान जैसे देश भी शामिल हैं। "ऑपरेशन सिन्दूर" ऐसे समय पर किया गया है, जब भारत सीमा-पार के आतंक के खिलाफ दृढ़ तथा अतिसक्रिय रुख अपनाये हुये हैं। इससे ठीक पहले, पड़ोसी की ओर से भड़काने तथा उकसाने वाली कई कार्यवाहियाँ की गई, जिनमें भारतीय सुरक्षा बलों के जवानों की हत्या, तथा जम्मू-कश्मीर में किये गये आतंकी हमले शामिल हैं। ताजातरीन एयर स्ट्राइक रणनैतिक नियंत्रण से नियंत्रित प्रतिशोध तक पहुँचने का परिणाम है। नई दिल्ली में राजनैतिक विश्लेषकों ने इस कार्यवाही का सराहना करते हुये, इसे "नये भारत के रणनैतिक स्वायत्तता एवं संकल्प का प्रदर्शन" कहा है। किन्तु विपक्षी दलों ने सरकार से कहा है कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि यह सैन्य कार्यवाही किसी बड़े संघर्ष का रुप न ले। इस बीच, कश्मीर तथा अन्य संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी गई है। बड़े शहरों तथा एलओसी से लगे क्षेत्रों में "अलर्ट" जारी कर दिया गया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर